डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित प्रवासी मंच कार्यक्रम में कमला दत्त एवं सुभाश जैरथ का रचना–पाठ संपन्न

नई दिल्ली। 9 जनवरी 2019। साहित्य अकादेमी द्वारा आज सायं 5.30 बजे अकादेमी के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित 'प्रवासी मंच' कार्यक्रम में अमेरिका से पधारी हिंदी की प्रतिष्ठित कथाकार एवं रंगकर्मी **कमला दत्त** एवं आस्ट्रेलिया से पधारे प्रख्यात कवि सुभाष जैरथ ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

कमला दत्त की कहानी का शीर्षक था 'सैंडाई जाने वाले रास्ते पर तुम नहीं थे साथ'। कहानी एक प्रवासी युवती के बारे में थी जो विभिन्न देशों की यात्रा करते हुए विभिन्न मनोवैज्ञानिक स्थितियों से गुजरती है। इस कहानी में स्त्री और पुरुष के संबंध को बहुत बारीकी से परखा गया है। ज्ञात हो कि कमला दत्त की कहानियाँ सत्तर के दशक में *धर्मयुग, सारिका, कहानी, हंस* जैसी महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थीं और कई संकलनों में भी सम्मिलित हैं। आपने 2012 से दुबारा लिखना शुरू किया। आपकी कुछ प्रमुख प्रकाशित कृतियाँ हैं – *मछली सलीब पर टँगी, कमला दत्त की यादगार कहानियाँ* आदि। नाटक में भी आपकी विशेष रुचि है। *भारत में उत्सर्ग, मुक्त धारा, नाटेर पूजा, गोदान, अधूरी आवाज, आषाढ़ का एक दिन, पगला घोड़ा* आदि नाटकों में कमला दत्त ने मुख्य भूमिका निभाई थी। आप मोरेहाउस स्कूल ऑफ मेडिसिन अटलांटा जीए के पैथोलॉजी एंड एनाटोमी डिपार्टमेंट में 28 वर्षों तक अध्यापन के बाद 2012 में प्रोफेसर के पद से सेवानिवृत्त हुईं।

आस्ट्रेलिया से पधारे हिंदी, अंग्रेज़ी और रूसी भाषा के प्रख्यात कवि सुभाष जैरथ ने अपनी अंग्रेजी एवं हिंदी कविताएँ प्रस्तुत कीं। *यशोधरा : सिक्स सीजंस विदाउट यू, अनफिनिश्ड पोएम्स फॉर यॉर वॉयलिन* (कविता–संग्रह) से अंग्रेजी कविताएँ एवं अपने संग्रह 'गोली लगने से पहले' से हिंदी कविताएँ सुनाईं। कविताओं का स्वर देश से दूर रह रहे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति का था, जो विभिन्न प्रतीकों के साथ अपने अस्तित्व को जाँचना–परखना चाहता है। सुभाष जैरथ ने सुरेश ऋतुपर्ण के काव्य 'हिरोशिमा की याद....' के अपने अंग्रेजी अनुवाद का भी एक अंश प्रस्तुत किया और मूल हिंदी कविता का पाठ किया सुरेश ऋतुपर्ण ने। सुभाष जैरथ के तीन कविता–संग्रह तथा 5 गद्य और कथेतर की पुस्तकें प्रकाशित हैं। सुभाष जैरथ की रूसी, जापानी तथा पर्शियन भाषा से अंग्रेजी में अनूदित पुस्तकें भी प्रकाशित हैं। आपने भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई कवियों की कविताओं का भी हिंदी अनुवाद किया है। अभी आप सेंटर ऑफ क्रिएटिव एंड कल्चरल रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ कैनबरा में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। कार्यक्रम में सुरेश ऋतुपर्ण, नरेंद्र मोहन, पवन माथुर, देवेंद्र चौबे, शैलेंद्र शैल, दिनेश पंत, लखन पाल, राकेश श्रीवास्तव एवं कई महत्त्वपूर्ण लेखक तथा साहित्यप्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी ने किया।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

प्रवासी मंच
PRAVASI MANCH